



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 578]
No. 578]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 14, 1989/भाद्र 23, 1911
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 14, 1989/BHADRA 23, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

ग्रहिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1989

का.भा. 728(अ):—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 293 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औद्योगिक उपकरणों की जिनमें से भी सम्मिलित हैं जो मृदाण, जिसमें लिये मृदाण उद्योग सम्मिलित हैं, से संबंधित एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) के अंतर्गत विदेशी मुद्रा विनियमन

2557 GI/89

(1)

अधिनियम, 1973 (1973 का 46) के क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं, उक्त अधिनियम की धारा 10, 11, 11A और 13 तथा उस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों के प्रवर्तन से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

1. विनिर्माण की वस्तु, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग की अधिसूचना सं. का.आ. 629(अ) तारीख 30 जून, 1988 से संलग्न अनुसूची 3 (सबु उपक्रमों के लिए प्रारक्षित होंगे) में विनिर्दिष्ट वस्तु नहीं होगी।

2. एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले औद्योगिक उपक्रमों के संबंध में उक्त औद्योगिक उपक्रम का स्वामी, वह व्यक्ति या वह प्राधिकारी जिसने प्रस्ताव किया है, केन्द्रीय सरकार के कंपनी कार्य विभाग को, अभिलेख के प्रयोजन के लिए एक ज्ञापन भेजेगा जिसमें तकनीकी विकास महानिदेशक या किसी अन्य सम्बद्ध तकनीकी प्राधिकारी को उपक्रम के रजिस्ट्रीकरण के लिए दिए गए आवेदन की प्रति सहित प्रस्ताव के अग्रे प्रस्तुत होंगे।

3. विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) के क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले किसी औद्योगिक उपक्रम के संबंध में, उस अधिनियम के अधीन आवश्यक समायोजन अभिप्राय किया जाएगा।

[फा.सं. 10/16/89-एच.पी]

बी.बी. टण्डन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th Sept., 1989

S.O. 728(E).—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, the Central Government hereby exempts from the operation of sections 10, 11, 11A and 13 of the said Act and rules made thereunder of industrial undertakings including those falling within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) or within the purview of the Foreign Exchange Regulations Act, 1973 (46 of 1973) pertaining to printing, including litho printing industry, subject to the following conditions, namely :—

1. The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule III (Items reserved for small scale undertakings) annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development No. S.O. 629(E) dated 30th June, 1988.

2. In relation to industrial undertakings falling within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969, the owner of the industrial

undertaking, the person of the authority making the proposal shall submit to the Central Government in the Department of Company Affairs, for the purpose of record, a memorandum containing the details of the proposals along with a copy of the application for registration of the undertaking made to the Directorate General of Technical Development or any other Technical Authority concerned.

3. In relation to an industrial undertaking falling within the purview of the Foreign Exchange Regulations Act, 1973 (46 of 1973), necessary clearance shall be obtained under that Act.

[F.No. 10/16/89-L.P.]

B.B. TANDON, Under Secy.

